



# इतिहास दृष्टि

2019

संयुक्तांक 14-15



संपादक : मैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

## अनुक्रम

संपादकीय	5
1. नारीत्व की चुनौतियां एवं उनसे मुक्ति के संदर्भ में धेरीगाथा की विवेचना – रेनू शुक्ला	9
2. प्राचीन भारत में चर्मकारों की समाजार्थिक स्थिति : एक विश्लेषण – सुषमा श्रीवास्तव	20
3. अवधी साहित्य : प्राकृतिक पर्यावरण एक रूपक – विनीता श्रीवास्तव	28
4. इंतजाम-ए-राज-ए-आजमगढ़ : एक फारसी स्रोत – डॉ. सैयद सुलेमान अम्मार रिज़वी	37
5. 1857 के विद्रोह में धर्म : तीन दस्तावेज – सैयद ज़हीर हुसैन जाफरी	46
6. जनरल बख्त खां और 1857 का विद्रोह – हिना	59
7. महबूब-अल-तारीख : 19वीं शताब्दी का एक ऐतिहासिक स्रोत – डॉ. निकहत जबी	73
8. लखनऊ का फिरंगी महल : उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार एवं विस्तार का एक महत्वपूर्ण केंद्र – युसरा फारुकी	77
9. चिपको आंदोलन: एक अध्ययन – डॉ. अर्चना डिमरी	89
10. उत्तर भारत में मुसलमान बेवाओं के हालात – फिरदौस अजमत सिद्दीकी	96



11. शिक्षा के क्षेत्र में राधाकृष्णन कमीशन का योगदान  
— डॉ. सरगम सिंह
12. उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में अवध का शिया-समाज :  
एक ईरानी धर्मगुरु की दृष्टि में  
— सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

#### पुस्तक समीक्षा

- 1857 का विद्रोही जगत : पूरबी उत्तर प्रदेश में  
— सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी